हिन्दी उपन्यासों में दलित जीवन-संघर्ष

सम्पादन
भरत • मनोज कुमार

Scanned with CamScanner

हिन्दी उपन्यासों में दलित जीवन-संघर्ष

संपादक
भरत एवं मनोज कुमार

अनुज्ञा

Scanned with CamScanner

अनुज्ञा

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक/संपादकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली ही मान्य होगा।

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2021

ISBN 978-93-89341-57-7

प्रकाशक
अनुज्ञा बुक्स
1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032
e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com
फोन : 011-22825424, 09350809192
www : anuugyabooks.com

मूल्य : 700 रुपये

आवरण
मीना-किशन सिंह

मुद्रक
अर्पित प्रिंटोग्राफर्स, दिल्ली-32

HINDI UPANYASON MEI DALIT JEEWAN-SANGHARSH
A Literary Discourse *edited by* Bharat & Manoj Kumar

Scanned with CamScanner

मनोज कुमार

जन्म : 24 दिसम्बर, 1989 को ग्राम मेहगाँव, जिला भिंड, मध्य प्रदेश में।

प्रारंभिक शिक्षा : बी.ए. / एम.ए. दिल्ली विश्वविद्यालय। एम. फिल. हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय और हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पी-एच.डी. (हिन्दी)। अनुवाद डिप्लोमा इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय। भाषा, पक्षधर, हंस, युद्धरत आम आदमी, रेतपथ, जनकृति इत्यादी पत्रिकाओं में शोध-आलेख प्रकाशित।

रचनाएँ : हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी जीवन-संघर्ष (पुस्तक) www . यमराज जीवनदान योजना डॉट कॉम (नाटक), हम आदिवासी कहलाते हैं (कविता) आदि।

सदस्य : हिन्दी साहित्य समिति, युवा हिन्दी साहित्य, मनस्वी आदि।

मो. : 09728424929

e-mail : manojkumaraarya@gmail.com

Scanned with CamScanner